“रैपसोडी और रिदम: स्त्रीत्व की रचनात्मकता को उजागर करना”

Department of English, Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University, Gorakhpur

Date: 26th December 2024

"समावेशी संस्कृति से ही सशक्तिकरण संभव " : कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने किया जागरूक"

"संस्कारों को सुरक्षित करते हुए अपने विकास का सफर तय कीजिए" : डा मिथिलेश तिवारी

दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेस-5 के अंतर्गत महिला सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था “रैपसोडी और रिदम: स्त्रीत्व की रचनात्मकता को उजागर करना।” यह कार्यक्रम अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित किया गया और इसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति, प्रोफेसर पूनम टंडन ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश तिवारी, उपाध्यक्ष, बिरजू महाराज कथक संस्थान, लखनऊ थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत अंग्रेजी विभाग में परंपरागत दीप जलाने से हुई, जो ज्ञान और प्रकाश के प्रसार का प्रतीक था। इस समारोह के साथ अनुप्रिया द्वारा दीप ज्योति गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम में आध्यात्मिक और शांति का माहौल बना दिया। प्रत्येक सम्मानित अतिथि को सम्मानस्वरूप एक गुलाब भेंट किया गया।

इसके बाद, कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि महिलाएं पहले से ही सशक्त हैं और शोधार्थियों और छात्रों के बीच संबंधों को

मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया, ताकि एक समावेशी और सहायक शैक्षिक वातावरण तैयार किया जा सके।

इसके बाद, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार शुक्ल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने समाज में महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, और कहा कि "पुरुष में महिला शामिल है।" उन्होंने महिलाओं की शक्ति को रेखांकित करते हुए कहा, "नारी नहीं अबला, बजा देगी सबका तबला" (महिला कमजोर नहीं है; वह किसी को भी पीछे छोड़ सकती है)। उन्होंने यह भी कहा कि एक बेटी दस बेटों के बराबर होती है, "बेटा भाग्य से मिलता है, पर बेटियां सौभाग्य से मिलती हैं" (बेटा भाग्य से मिलता है, लेकिन बेटी सौभाग्य से मिलती है)।

उनके भाषण के बाद, रोहिणी, जागृति, ऋचा, आयुषी और जागृति ओझा द्वारा एक शक्तिशाली और मधुर गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अतिरिक्त, अदिति कृष्णन द्वारा एक भावपूर्ण कविता पाठ किया गया, जिसने कार्यक्रम को और भी समृद्ध कर दिया और उपस्थित सभी पर एक गहरी छाप छोड़ी।

इसके बाद, ज़ेहरा शमशीर ने एक प्रभावशाली भाषण दिया, जिसमें उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे केवल महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों पर ध्यान न दें, बल्कि उनके लिए एक सुरक्षित और समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान करें। अनु उपाध्याय ने नारी कविता पाठ की और पूजा ने भी एक शक्तिशाली कविता प्रस्तुत की।

मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश तिवारी ने एक सुंदर संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने सभी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया और बताया कि आज के समय में अपनी संस्कृति और मूल्यों से जुड़ा रहना कितना महत्वपूर्ण है। उनके भाषण ने परंपरा की शक्ति को उजागर किया, जो महिलाओं को चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाती है। इस वातावरण को और भी समृद्ध करने के लिए डॉ. तिवारी ने कुछ सुंदर गीत

गाए, जिन्होंने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए।

मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी प्रोफेसर विनीता पाठक ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने सहअस्तित्व के महत्व पर बात की और समाज में पारस्परिक सम्मान और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया और अपनी जिंदगी की जिम्मेदारी लेने की बात कही। उनके शब्दों ने महिलाओं को अपनी शक्ति पर विश्वास करने, अवसरों को तलाशने और अपने अधिकारों का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमोद कुमार राय ने किया, और धन्यवाद ज्ञापन (शोधार्थी)सुरभि मलविया ने किया।

कार्यक्रम के समापन पर, रोहिणी सिंह द्वारा एक सुंदर और आत्मीय गीत प्रस्तुत किया गया, जिसने सभी को अभिभूत कर दिया और सशक्तिकरण और एकता की भावना को और भी ऊंचा किया।

इस कार्यक्रम में प्रमुख शिक्षाविदों, जैसे कि कला संकाय के डीन प्रोफेसर राजवंत राव, प्रोफेसर विनीता पाठक, प्रोफेसर अवनीश राय, डॉ. कल्पना दीवाकर, डॉ. संजीव कुमार विश्वकर्मा, शोधार्थी और अंग्रेजी विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम समाज में महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अत्यंत सफल रहा।

D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur

(NAAC A ++ with 3.78 CGPA)

Department of English

under

Mission Shakti 5.0

topic

Rhapsody and Rhythm: Unleashing the Power of Feminine Creativity

मिशन शक्ति
नारी सुरक्षा
नारी सम्मान
नारी स्वावलंबन

Chairperson

Prof. Poonam Tandon
Hon'ble Vice Chancellor
DDU Gorakhpur University, Gorakhpur

Chief Guest

Dr. Mithilesh Tiwari
Vice- President,
Birju Maharaj Kathak Sansthan, Lucknow

Prof. Rajawant Rao
Dean, Faculty of Arts

Prof. Vinita Pathak
Nodal Officer, Mission Shakti

Prof. Ajay Kumar Shukla
Head, Dept. of English

Dr. Amod Kumar Rai
Coordinator

26-12-2024
11:30 a.m onwards
Venue: Department of English

Shakti 5.0
the Power of Feminine Creativity
शक्ति
Chief Guest
Dr. Mithilesh Tiwari

Department of English

Department of English

Department of English